'स्पीक फॉर इंडिया' के युवा विचारों ने जीता सभी का दिल

डिबेट के ग्रैंड फिनाले में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के MBBS स्टूडेंट शिवांक त्रिवेदी बने विनर, जसमेहर रहीं रनरअप

Photos : Sunil Kataria

डिबेट कॉन्टेस्ट 'स्पीक फॉर इंडिया' के फिनाले में पहुंचे 8 फाइनलिस्ट के साथ फेडरल बैंक के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और कंट्री हेड (जीआईबी) अनूप टी, पूर्व सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़, डीयू के माता सुंदरी कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. हरप्रीत कौर और बॉलिवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह

मैं बचपन में अपने घर पर पैरंट्स से डिबेट करती थी। इसके बाद स्कूल के कॉन्टेस्ट से लेकर 'स्पीक फॉर इंडिया' का हिस्सा बनी। इस कॉन्टेस्ट में मेरा यह सफर रोलर कोस्टर की तरह रहा। मैंने खूब एंजॉय किया। अपनी गलतियां जानी और बहुत कुछ सीखा।

– जसमेहर कौर, रनरअप

मैं स्कूल टाइम से ही डिबेट करता रहा हूं, मगर एमबीबीएस की पढ़ाई में थर्ड ईयर में जाकर मुझे वक्त मिला और 'स्पीक फॉर इंडिया' के साथ यह पूरा सफर शानदार रहा। इस कॉन्टेस्ट के साथ कई बढ़िया डिबेटर्स को सुनने का मौका भी मिला।

– शिवांक त्रिवेदी, विनर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

स्पीक फॉर इंडिया दिल्ली-एनसीआर 2024-25 के ग्रैंड फिनाले में युवाओं ने अलग-अलग मुद्दों पर अपने विचार रखे। क्या मेडिटेशन का चैप्टर कॉलेजों और स्कूलों में जरूरी हो? क्या स्टूडेंट्स की ड्रग टेस्टिंग से ड्रग एब्यूज का हल निकलेगा? गिग इकनॉमी से फायदा है या नुकसान?

ग्रैंड फिनाले में 8 स्टूडेंट्स ने बनाई थी जगह, मेडिटेशन समेत कई विषयों पर रखे विचार

इन मुद्दों पर नवभारत टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ फेडरल बैंक की पहल पर डिबेट कॉन्टेस्ट 'स्पीक फॉर इंडिया' के फिनाले में पहुंचे 8 स्टूडेंट्स ने पूरे जोश के साथ अपनी बात रखी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के माता सुंदरी कॉलेज में हुए इस ग्रैंड फिनाले में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस स्टूडेंट शिवांक त्रिवेदी विनर रहे। इस डिबेट कॉन्टेस्ट का आगाज 4 मार्च को दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी इरविन कॉलेज में हुआ था। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट, जोनल, सेमीफाइनल पार करते हुए 8 स्टूडेंट्स फाइनल राउंड तक पहुंचे।

फेडरल बैंक के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और कंट्री हेड (जीआईबी) अनूप टी ने भी स्टूडेंट्स को सराहा

फिनाले के उद्घाटन समारोह में सांसद बांसुरी स्वराज बतौर खास मेहमान पहुंचीं। मंच पर अपने विचार रखने से पहले बांसुरी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने कहा, यह नया भारत है जो किसी भी आतंकवाद के सामने घुटने नहीं टेकेगा। यह मौन सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं, यह हम सबकी एक सामूहिक प्रतिज्ञा है कि ना हम भूलेंगे, ना माफ करेंगे, ना छोड़ेंगे। डिबेट के शुरुआती दो राउंड में से फाइनल राउंड के दो प्रतियोगियों के नामों का ऐलान बॉलिवुड एक्टर चित्रांगदा सिंह ने किया।

इस बीच कॉन्टेस्ट के खास मेहमान पूर्व CJI डी. वाई. चंद्रचूड़ पहुंचे। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा, पिछले दो दिनों में हमारे देश में हर व्यक्ति, चाहे कोई भी विचारधारा, धर्म, जेंडर, जाति से हो, हमें विभाजित करने वाली हजारों चीजों के बावजूद, वे सब एक साथ आ गए हैं। ऐसे समय में हमारे लिए उम्मीद का होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, राष्ट्र ने इस क्रूरता, हिंसा में अपनी कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं को खो दिया है।

शुक्रवार को जूरी के सामने फाइनल राउंड में पहुंचे 8 स्टूडेंट्स ने बेधड़क अपने विचार मंच पर रखे। एक-दूसरे से सवाल-जवाब किए और तर्कों के साथ जजों के सवालों के जवाब भी दिए। फिनाले में 4-4 स्टूडेंट्स के दो ग्रुप में दो डिबेट राउंड रखे गए। तीन सदस्य की जूरी ने 8 में से 2 स्टूडेंट्स को चुना। शिवांक त्रिवेदी और जसमेहर कौर के बीच फिनाले हुआ। गिग इकनॉमी के पक्ष-विपक्ष में इन दोनों ने बेधड़क अपने विचार रखे। माता सुंदरी कॉलेज के स्टूडेंट्स से भरे ऑडिटोरियम में इस राउंड का आनंद हर दर्शक ने लिया। हर पक्ष पर जमकर तालियां बजीं।

कॉन्टेस्ट के विनर मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस स्टूडेंट शिवांक त्रिवेदी रहे। जिन्होंने ट्रॉफी समेत 2.5 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। रनरअप श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, डीयू की स्टूडेंट जसमेहर कौर ने 1.5 लाख रुपये की राशि जीती। बाकी 6 स्टूडेंट्स-वेनेट यूनिवर्सिटी-ग्रेटर नोएडा के स्टूडेंट प्रिशित देसवाल, डीयू के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के स्टूडेंट दीपांशु झा, नोएडा के जीकेएफजीआईआई के स्टूडेंट नमन शर्मा, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी सोनीपत के स्टूडेंट दीपांश जौरानी, डीयू के सेंट स्टीफंस कॉलेज के स्टूडेंट आराध्य मैठानी और गाजियाबाद के इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज की स्टूडेंट नियति गौतम को 50-50 हजार रुपये का कैश प्राइज दिया गया।

'अच्छा सुनने वाला, अच्छा डिबेटर'

फेडरल बैंक के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और कंट्री हेड (जीआईबी) अनूप टी. ने कहा, डिबेटिंग एक मुश्किल आर्ट है। यह सिर्फ बोलने की कला नहीं है, सुनने की भी है। जो जितना बढ़िया सुनेगा, वो उतना बढ़िया डिबेटर बनेगा। क्योंकि आप जिसके साथ डिबेट कर रहे हैं, उसकी बातों से भी आपके लिए विचार निकलते हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच सिर्फ युवाओं से जुड़ना नहीं है, बल्कि आने वाली दुनिया को तैयार करने के लिए युवाओं को समझना भी है। इस मौके पर फेडरल बैंक से सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और जोनल बिजनेस हेड (सीआईबी) आनंद चुग, सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और जोनल हेड शशिधरन सी एम, वाइस प्रेजिडेंट और रीजनल हेड अल्पना गुप्ता भी मौजूद रहे।

'डिबेट में शब्दों के आदान-प्रदान से बनते हैं विचार'

"'स्पीक फॉर इंडिया' ऐसा मंच है, जहां पर शब्दों का आदान-प्रदान होता है और इससे विचार बनते हैं। विचारों से दृष्टिकोण बनते हैं और दृष्टिकोण से राष्ट्र गढ़ा जाता है। यह कहीं ना कहीं स्टूडेंट्स और युवा शक्ति की वैचारिक चेतना का परिचायक है। युवा जब सोचता है तो बदलाव होता है। युवा जब बोलता है तो संवाद होता है और युवा जब ऐक्शन लेता है तब विकास होता है। – *बांसुरी स्वराज, सांसद, नई दिल्ली*

'आप सभी की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते हैं'

"आप सभी स्टूडेंट्स ऊर्जा से भरे हो। आप समाज की सभी समस्याओं का समाधान नही कर सकते, लेकिन दूसरों की बात सुनने और उन्हें धैर्य देने से समाज में हो रहे कई अन्यायों को दूर करने में मदद मिलती है। 'स्पीक फॉर इंडिया' ऐसा शानदार इवेंट है, जो हम सबके एक-दूसरे से बात करने, एक-दूसरे को सुनने और समस्याओं को सुलझाने के प्रयास की अहमियत बताता है।

– डी. वाई. चंद्रचूड़, पूर्व सीजेआई

'आपको ही चुनना है कि आने वाली दुनिया कैसी हो'

"डिबेट आपकी सोचने की प्रक्रिया को मजबूत करता है। यह जरूरी है कि हमारे भीतर राजनीतिक जागरूकता हो, लोगों के मुद्दों को लेकर जागरूकता हो। एक सर्वे में पाया गया है कि आज के युवाओं में पॉलिटिकल और सिविक अवेयरनेस बहुत कम है। दरअसल, इस वक्त भटकाव भी ज्यादा हैं। मगर आपको ही चुनना है कि आने वाली दुनिया कैसी हो।

– चित्रांगदा सिंह, बॉलिवुड एक्ट्रेस

जजों ने स्टूडेंट्स को सराहा

फिनाले राउंड के जजों के पैनल में माता सुंदरी कॉलेज की इंग्लिश प्रोफेसर सुप्रीता झा, वरिष्ठ पत्रकार विवेक शुक्ला और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रोफेसर और कलाकार दानिश इकबाल शामिल थे। जजों को स्टूडेंट्स की डिबेटिंग स्किल्स काफी पसंद आई। उन्होंने कहा कि यह प्लैटफॉर्म स्टूडेंट्स के विचारों को धार देने का शानदार काम कर रहा है। माता सुंदरी कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. हरप्रीत कौर ने कहा कि 'स्पीक फॉर इंडिया' पहल स्टूडेंट्स की आवाज को मंच देता है, हमारा कॉलेज इसका मंच बना यह हमारे लिए खास है।